प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

महिला दिवस के अवसर पर 'वन्डर्स ऑफ वोमेन' कार्यक्रम का आयोजन

पंतनगर। 02 मार्च 2023। विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक महाविद्यालय में महिला दिवस के अवसर पर अधिष्ठात्री प्रौद्योगिक महाविद्यालय डा. अलकनंदा अशोक के नेतृत्व में 01 से 04 मार्च 2023 तक 'वन्डर्स ऑफ वोमेन' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसके क्रम में प्रथम दिवस को श्रीमती प्रीति प्रियदर्शिनी, आई.पी.एस. द्वारा छात्राओं को संबोधित किया गया। कार्यक्रम में डा. ज्योति प्रसाद, प्राध्यापक सिविल इंजीनियरिंग; डा. दीपा विनय, कुलसचिव; डा. अल्का गोयल, अधिष्ठात्री कम्युनिटी साईंस महाविद्यालय के साथ प्रौद्योगिक महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित थी। कार्यक्रम में कुलसचिव द्वारा अवगत कराया गया कि कभी–कभी प्लेसमेंट के लिए आने वाली संस्थाओं द्वारा छात्रों की मांग की जाती है जबकि विश्वविद्यालय की छात्राएं, छात्रों से अच्छा प्रदर्शन करते हुए अधिक संख्या में प्लेसमेंट पा रही हैं। डा. अल्का गोयल ने महिला शिक्षा पर जोर देते हुए बताया कि सशक्तिकरण का मतलब शिक्षित होना है। एक शिक्षित महिला समाज को जागरूक रखते हुए नया रास्ता दिखा सकती है।

प्रीति प्रियदर्शिनी ने अपने जीवन के बारे बताते हुए छात्राओं को प्रेरित किया। उनके द्वारा छात्राओं को बताया कि किस प्रकार उनके परिवार एवं उनके पिताजी से मोरल सपोर्ट मिला, उनके उत्प्रेरण से ही वे आई.पी.एस. की परीक्षा पास कर पाई। उनके द्वारा बताया गया कि पुलिस सर्विसेज से अच्छा महिला सशक्तिकरण कोई और नहीं हो सकता। पुलिस के क्षेत्र में महिलाएं अपने समाज एवं महिलाओं के हितों हेतु काफी काम कर सकती हैं।

डा. ज्योति प्रसाद ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि साउथ इंडिया में महिलाओं को काफी महत्व दिया जाता है। उनके पिता जी उन्हें प्रेरित करते हुए सिविल इंजीनियरिंग, जो कि उस समय पुरूष बाहुल्य का क्षेत्र था। उन्होंने बताया कि वे सिविल इंजीनियरिंग की अपनी पढ़ाई पूर्ण कर सकी तथा आज इस मुकाम पर पहुंच पाई हैं। डा. अलकनंदा अशोक ने बताया कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ पुरूषों से प्रतिस्पर्धा नहीं हैं, हमें अपने आपको शिक्षित करते हुए अपनी पहचान बनानी चाहिए। उनके लिए हमारा एवं हमारे लिए उनका सहयोग अत्यंत आवश्यक है। जब तक महिलाएं अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगी तब तक वास्तविक रूप से महिला सशक्तिकरण की अवधारणा पूर्ण नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति की पीछे भागना छोड़ना होगा। महिला सशक्तिकरण का सही अर्थ अपनी सोच को सकारात्मक करना है। यदि महिलाएं सकारात्मक सोच के साथ आर्थिक रूप से स्वाबलंबी होंगी तो समाज का सर्वांगीण विकास संभव हो सकेगा। छात्राओं द्वारा सभी सदस्याओं के समक्ष अपनी जिज्ञासाओं को भी रखा गया जिसका उनके द्वारा उत्तर देते हुए सभी छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। छात्रों द्वारा पूछा गया कि वे किस प्रकार सहयोग कर सकते हैं जिस पर बताया गया कि वे महिलाओं को उनके दैनिक कार्यों जैसे खाना बनाना आदि में सहयोग कर सकते है।

कार्यक्रम के क्रम में 02 मार्च 2023 को छात्राओं का डिबेड कार्यक्रम एवं सुश्री यासमीन, एक्टर/मॉडल द्वारा अपना अविभाषण दिया जाएगा। 03 एवं 04 मार्च 2023 को क्रमशः श्रीमती कुसुम खंडेलवाल, अध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य महिला कमीशन द्वारा छात्राओं को उनके अधिकारों के संबंध में जागरूक करेंगी एवं डा. अंजु छाबड़ा द्वारा छात्राओं को उनके स्वास्थ्य संबंधी इश्यू एवं मेडिकल कैम्प के बारे में संबोधित किया जाएगा।

कार्यक्रम में छात्राओं को जीवन के बारे में बताते अधिकारीगण।